ANNUAL CURRICULUM PLANNER

CLASS : X SESSION : 2018-19

SOCIAL SCIENCE (CBSE SUBJECT Code No. 087)

COURSE STRUCTURE CLASS X

Time: 3 Hrs. Max. Marks: 80

NO.	**Units**	**Marks**	**Periods**
I	इतिहासः भारत व समकालीन विश्व..2	20	60
II	भूगोलः समकालीन भारत–2	20	55
III	लोकतान्त्रिक राजनीति–2	20	50
IV	अर्थशास्त्र	20	50
TOTAL		**80**	**215**

ASSESSMENT SCHEDULE/FORMAT

The Assessment Format & weightage of marks for classes X will be as under:

CLASS	ASSESSMENT I*	ASSESSMENT II*	NOTE BOOK SUBMISSION	SUBJECT ENRICHMENT ACTIVITY	CASE	TOTAL
X	5	5	5	5	80	100

NOTE:OUT OF THREE P.A. MARKS BEST TWO WILL BE CONSIDERED FOR INTERNAL ASSESSMENT*-10 MARKS

Notebook Submission (05 Marks):

Notebook submission as a part of Internal Assessment is aimed at enhancing seriousness of students towards preparing notes on the topics being taught in the classroom as well as the assignments. This also addresses the critical aspect of regularity, punctuality, neatness and notebook upkeep.

Subject Enrichment Activities (05 Marks): These are subject specific application activities aimed at enrichment of the understanding and skill development. These activities are to be recorded internally by the concerned subject teachers.

Guidelines issued by CBSE for classes IX & X to be followed by all the Govt & Govt Aided schools.

आवधिक पाठ्यक्रम

सत्र: २०१८-२०१९

कक्षा: दसवी

प्रथम सत्र (अप्रैल २०१८ से सितम्बर २०१८ तक)

इतिहास : भारत एवं समकालिन विश्व-2

पाठ–1, 2 ;(कोई एक)

पाठ–1 : यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

1830 के बाद यूरोप में राष्ट्रवाद में वृद्धि, ज्युसेपे मेत्सिनी के विचार, पोलैंड, हंगरी, इटली, जर्मनी और यूनान के आंदोलनों की सामान्य विशेषताएँ, 1830 की अवधि के पश्चात् यूरोप में राष्ट्र–राज्य निर्माण के साथ राष्ट्रवाद का विकास, राष्ट्र–राज्य का विचार यूरोप और दूसरे स्थानों पर एक सामान्य विचार बन गया।

फ्राँसीसी क्रांति व फ्रांसीसी समाज का राष्ट्र के विचार में योगदान – यूरोप में राष्ट्रवाद, जर्मनी, इटली और ब्रिटेन का राष्ट्र के रूप में एकीकरण, राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद

अथवा

पाठ–2 : इंडो–चाइना में राष्ट्रवादी आंदोलन

इंडो–चाइना में राष्ट्रवाद में वृद्धि के कारण, इंडो–चाइना में फ्रांसीसी उपनिवेशवाद, साफ–सफाई, बीमारी और रोजमर्रा प्रतिरोध, औपनिवेशिक शिक्षा की दुविधा, दूसरा विश्वयुद्ध, और स्वतंत्रता संघर्ष, अमेरिका और द्वितीय इंडो–चाइना युद्ध कम्युनिस्ट आंदोलन और वियतनामी राष्ट्रवादी।चीन के साये से आजादी, इंडो–चाइना में औपनिवेशिक शासन, औपनिवेशिक शिक्षा की दुविधा, उपनिवेशवाद का विरोध, कम्युनिस्ट आंदोलन और वियतनामी राष्ट्रवाद, वियतनाम और अमरीकी युद्ध राष्ट्र और उसके नायक

पाठ–3 : भारत में राष्ट्रवाद

प्रथम विश्वयुद्ध, खिलाफत, असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन, नमक सत्याग्रह, किसानों, मजदूरों और जनजातियों का आंदोलन, विभिन्न राजनीतिक समूहों की गतिविधियाँ, सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान भारतीय राष्ट्रवाद की विशेषताएँ, विभिन्न सामाजिक आंदोलनों की धाराएँ, विभिन्न राजनीतिक समूहों के लेख और विचार।

;मानचित्र कार्य : केवल अध्याय 3 पर आधरित प्रथम विश्वयुद्ध, खिलाफत और असहयोग, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की घटनाएँ, आंदोलन के भीतर अलग–अलग धाराएँ, सविनय अवज्ञा आंदोलन, सामूहिक अपनेपन का प्रभाव।

भूगोल : समकालीन भारत 2

अध्याय–1 : संसाधन एवं विकास,

संसाधन का अर्थ, संसाधन के प्रकार, संसाधन का वर्गीकरण, सतत् पोषणीय विकास, संसाधन नियोजन भारत में क्यों और कैसे, भूमि एक संसाधन के रूप में, मृदा के प्रकार एव वितरण, भू–उपयोग प्रारूप में परिवर्तन, भूमि निम्नीकरण, मृदा अपरदन और संरक्षण के उपाय।

पाठ–3 : जल संसाधन

स्रोत, वितरण, उपयोग, बहु–उद्देशीय परियोजनाएँ, जल की दुर्लभता, संरक्षण और प्रबंधन की आवश्यकता, वर्षा जल संग्रहण, बहु–उद्देश्यीय नदी परियोजनाएँ और समन्वित जल संसाधन प्रबंधन।

पाठ–4 : कृषि

कृषि के प्रकार, विभिन्न कृषि पद्धति, शस्य प्रारूप, प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधर, उसका प्रभाव, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान, वैश्वीकरण का कृषि पर प्रभाव।विभिन्न कृषि प्रकार, भारत की प्रमुख फसलें, कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधार, कृषि का अर्थव्यवस्था में योगदान। मानचित्र कार्य– कृषि उपज व क्षेत्र

;नोट : एन. सी. ई. आर. टी. की पाठ्य पुस्तक में पृष्ठ संख्या 46 से 50 तक दिए गए विषय–वस्तु को हटा दिया गया है

पाठ–5 : खनिज तथा उर्जा संसाधन

खनिज क्या हैं? खनिजों की उपलब्धता, लौह व अलौह खनिज, अधत्विक खनिज, खनिजों के प्रकार, वितरण ;(नोटः केवल मानचित्र पर) खनिजों का उपयोग एवं आर्थिक महत्व, खनिजों का संरक्षण, ऊर्जा संसाधन के प्रकार, परंपरागत एवं गैर परंपरागत ऊर्जा संसाधन,वितरण, उपयोग एवं संरक्षण।

लोकतांत्रिक राजनीति-2

:

अध्याय–1 : सत्ता की साझेदारी,

लोकतंत्रा में क्यों और कैसे सत्ता की साझेदारी ? विभिन्न सामाजिक समूहों के मध्य लोकतंत्र किस प्रकार सामंजस्य स्थापित करता है? नेपाल और बोलिविया में जनसंघर्ष, लामबन्दी और संगठन, दबाव समूह और आंदोलन

पाठ–2 : संघवाद

संघवाद क्या है? भारत में सत्ता के संघीय विभाजन ने किस प्रकार राष्ट्रीय एकता में मदद पहुँचायी? भारत में संघीय व्यवस्था, केन्द्र व राज्य के बीच सम्बन्ध, भारत में विकेन्द्रीकरण

पाठ–3 : लोकतन्त्र और विविधता

लोकतंत्र और विविधता, समानताएँ, असमानताएँ और विभाजन, सामाजिक विभाजनों की राजनीति तथा उसके परिणाम
मैक्सिकों ओलम्पिक की घटना

पाठ–4 : जाति, धर्म और लैंगिक मसलें

लैंगिक मसले और राजनीति, धर्म, साम्प्रदायिकता और राजनीति, धर्मनिरपेक्ष राज्य, राजनीति में जाति। लैंगिक मसलें और राजनीति, साम्प्रदायिकता और राजनीति, जाति और राजनीति, रंगभेद

अर्थशास्त्र

अध्याय–1: विकास

विकास की परंपरागत धरणा, राष्ट्रीय आय और राष्ट्रीय आय में वृद्धि – विद्यमान विकास के मानकों की आलोचनात्मक समीक्षा ;प्रति व्यक्ति आय, शिशु मृत्यु दर, साक्षरता दर, अन्य आय और स्वास्थ्य संकेतकद्ध स्वास्थ्य और शैक्षणिक विकास की आवश्यकता, मानव विकास सूचकांक।

पाठ–2 : भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

आर्थिक कार्यों के क्षेत्रक, क्षेत्रकों में ऐतिहासिक परिवर्तन, तृतीयक क्षेत्रक का बढ़ता महत्व, रोजगार सृजन, क्षेत्रकों का विभाजन–संगठित एवं असंगठित, असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों का संरक्षण।
आर्थिक कार्यों वेफ क्षेत्रक व तुलना, संगठित और असगठित क्षेत्रकों का विभाजन, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक

अर्थशास्त्रा : पाठ–3 : मुद्रा और साख

अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका, ऐतिहासिक उत्पत्ति, बचत और साख के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक वित्तीय संस्थाएँ – सामान्य परिचय, औपचारिक संस्थाएँ जैसे – राष्ट्रयकृत व्यावसायिक बैंक, अनौपचारिक संस्थाएँ – स्थानीय साहूकार, भूस्वामी, स्वयं सहायता समूह, चिटफंड और निजी वित्तीय कंपनियाँ।

नोट :– अध्याय–3 का मूल्यांकन सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में होगा

द्वितीय सत्र (अक्टूबर २०१८ से फरबरी २०१९ तक)

इतिहास : भारत एवं समकालीन विश्व-2

इतिहास खण्ड 2: जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज(निम्नलिखित में से किसी एक पाठ को करें)

अध्याय–4: भूमंडलीकृत विश्व का बनना

भूमंडलीय विश्व का बनना, भारतीय व्यापार, उपनिवेशवाद और भूमंडलीय व्यवस्था, ब्रिटेन और भारत के औद्योगिक स्वरूप में अंतर, हस्तशिल्प और औद्योगिक उत्पाद में संबंध, औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्रा, महायुद्ध के बीच अर्थव्यवस्था, मजदूरों की जीविका, महामंदी, विश्व अर्थव्यवस्था में युद्धोत्तर काल।

अथवा

अध्याय–5: औद्योगीकरण का युग

औद्योगिक क्रान्ति – पहले और बाद में, आदि औद्योगीकरण और औद्योगिक परिवर्तन की रफ़्तार, मजदूरों की जिंदगी, उपनिवेशों में औद्योगीकरण, भारत में बुनकर, प्रारंभिक उद्यमी और मजदूर, औद्योगिक विकास का अनूठापन, वस्तुओं के लिए बाजार।

अथवा

अध्याय–6: काम, आराम और जीवन

लंदन में औद्योगीकरण और आधुनिक शहर का विकास बंबई–आवास और भूमि विकास, शहरों में सामाजिक बदलाव, शहर और पर्यावरण की चुनौती, शहरीकरण का नमूना, प्रवास और शहरों की वृद्धि, सामाजिक परिवर्तन और शहरी जीवन, व्यापारी, मध्यम वर्ग, मजदूर और शहरी गरीब व्यक्ति का अध्ययन– 19वीं और 20वीं सदी में लंदन और बंबई।

इतिहास खण्ड 2: रोज़ाना की जिंदगी, संस्कृति और राजनीति (निम्नलिखित में से किसी एक पाठ को करें)

पाठ–7 : मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया

यूरोप में मुद्रण का इतिहास, उन्नीसवीं सदी के भारत में छापेखाने में वृद्धि, मुद्रण संस्कृति, सार्वजनिक बहसें और राजनीति में संबंध, समाज और मुद्रण, मुद्रण संस्कृति और विचारों के प्रसार के संबंध में चर्चा

अथवा

पाठ–8 : उपन्यास, समाज और इतिहास

पश्चिम में उपन्यासों का उदय : एक विध के रूप में, उपन्यास और आधुनिक समाज के परिवर्तनों में संबंध, उन्नीसवीं सदी के भारत के आरंभिक उपन्यास, दो अथवा तीन लेखकों का अध्ययन, लेखन के स्वरूप, विशिष्ट इतिहास, समाज के भीतर ऐतिहासिक परिवर्तनों का प्रतिबिंब और परिवर्तन की शक्तियाँ, लेखकों के विचार जिनका समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ा।

भूगोल : समकालीन भारत 2

पाठ–6 : विनिर्माण उद्योग

विनिर्माण का महत्त्व, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान, औद्योगिक अवस्थिति, कृषि आधरित उद्योग, खनिज आधरित उद्योग, रसायन और उर्वरक उद्योग, सीमेंट उद्योग, सूचना–प्रौद्योगिकी तथा इलैक्ट्रॉनिक उद्योग, औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण, पर्यावरण निम्नीकरण की रोकथाम

पाठ–7 : राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

स्थल परिवहन, रेल परिवहन, पाइपलाइन, जल परिवहन, वायु परिवहन, संचार सेवाएँ, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन–एक व्यापार के रूप में।

लोकतांत्रिक राजनीति-2

पाठ–5 : जनसंघर्ष व आंदोलन

नोटः अध्याय–5ः केवल परियोजना कार्य के लिए है। इसका मूल्यांकन प्रश्न पत्र ;सैद्धांतिक में नहीं होगा।

पाठ–6 : राजनीतिक दल

राजनीतिक दलों का अर्थ, जरूरत और कार्य। प्रतिस्पर्धा और चुनाव में राजनीतिक दल क्या भूमिका निभाते हैं? देश में महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों का परिचय।राष्ट्रीय और प्रांतीय राजनीतिक दल, राजनीतिक दलों की चुनौतियाँ सुधार के उपाय। जीवन मूल्यपरक प्रश्नों का अभ्यास।

पाठ–7 : लोकतंत्र के परिणाम

लोकतंत्र के परिणामों का मूल्यांकन कैसे करें ? उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैद्य शासन, आर्थिक संवृधि और विकास, असमानता और गरीबी में कमी, विविधताओं में सामंजस्य, नागरिकों की गरिमा और आजादी अन्तरदेशीय उत्पादन, विश्वभर के उत्पादन को एक–दूसरे से जोड़ना, विदेश व्यापार और बाजारों का एकीकरण, वैश्वीकरण क्या है? विश्व व्यापार संगठन, भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव, न्याय संगत वैश्वीकरण के लिए संघर्ष।

पाठ–8 : लोकतन्त्र की चुनौतियाँ

लोकतंत्र की मुख्य चुनौतियाँ क्या हैं? लोकतंत्र को कैसे सुधरा एवं मजबूत किया जा सकता है? भारतीय लोकतंत्र की ताकत और कमजोरियों के स्रोत, लोकतंत्रा को मजबूत बनाने में एक साधरण नागरिक किस प्रकार की भूमिका निभा सकता है ?

अर्थशास्त्र

अध्याय–4ः वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

वैश्वीकरण क्या है? वैश्वीकरण के कारक, विश्व व्यापार संगठन, प्रभाव, न्यायसंगत वैश्वीकरण, भारत किस प्रकार वैश्वीकृत हो रहा है? 1991 से पूर्व विकास की नीतियाँ, 1991 का आर्थिक सुधांर और अपनायी गई नीतियाँ, अन्तर्राष्ट्रीय उत्पादन,विश्व व्यापार और बाजारों की अन्तःक्रिया।

पाठ–5 : उपभोक्ता अधिकार

उपभोक्ताओं का शोषण किस प्रकार होता है? ;एक अथवा दो सामान्य मामले का अध्ययनद्ध उपभोक्ताओं के शोषण के कारक, उपभोक्ता जागरूकता का उदय, बाजार में उपभोक्ता को किस प्रकार होना चाहिए? उपभोक्ता संरक्षण में सरकार की भूमिका, एक उपभोक्ता के रूप में बच्चे को उसके अधिकार और कर्तव्य के प्रति जागरूक बनाना, बाजार में शोषण से बचाने के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय।

समस्त पाठ्यक्रम नवंबर माह तक पूर्ण कर लिया जाय। तत्पश्चात पाठ्यक्रम की पुनरावृति पाठ्यपुस्तक,मॉडल टेस्ट पेपर(CBSE;DoE) तथा Support Material से करवाई जाय। मानचित्र कार्य की भी भरपूर प्रैक्टिस करवायी जानी चाहिए।

नोट : वार्षिक परीक्षा ;सत्र के अन्त में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

सुझाए गए क्रियाकलाप/ निर्देश

भूगोल

1.विद्यार्थी ठेठ ग्रामीण घरों का चित्र और भारत के विभिन्न क्षेत्राों के लोगों के कपडो को इकट्ठा कर सकते हैं और परीक्षण करेंगे कि क्या उसका जलवायु दशाओं और किसी क्षेत्रा की ऊँचाई से कोई संबध है?

2.विद्यार्थी गाँवों में सिंचाई के विभिन्न स्रोतों और विगत दशक में बदलते शस्य प्रारूप के ऊपर संक्षिप्त रिपोर्ट तैयारकर सकते हैं।

पोस्टर :

1. घर के आस–पास जल प्रदूषण

2. वनों में ह्रास और ग्रीन हाऊस प्रभाव

अर्थशास्त्र

1.किसी बैंक अथवा साहूकार के पास जायें और चर्चा करें जो आपने कक्षा में बैक के बारे में पढ़ा है उसके संदर्भ में।

स्वयं सहायता समूह की सभाओं में भाग लें जो सूक्ष्म साख योजनाओं में शामिल रहते हैं। वहाँ चर्चा किए गए मुद्दों का अवलोकन करें।

2.सेवा, क्षेत्रक की गतिविधियों का विभिन्न उदाहरण दें, चार्ट, फोटोग्राफ और संख्यात्मक उदाहरण का प्रयोग करें।

3.विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले शब्द चिन्ह का संग्रह,

4.किसी नजदीकी उपभोक्ता अदालत में जाएँ और वहाँ की प्रक्रियाओं का कक्षा में चर्चा करें।

5.समाचारपत्रों और उपभोक्ता अदालत के द्वारा उपभोक्ता शोषण और उनकी माँगों से संबंधित कहानियों का संग्रह करें।

6.सेवा, क्षेत्रक की गतिविधियों का विभिन्न उदाहरण दें, चार्ट,फोटोग्राफ और संख्यात्मक उदाहरण का प्रयोग करें।

कक्षा – परियोजना कार्य

प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नलिखित में से किसी एक विषय के ऊपर परियोजना कार्य पूरा करना अनिवार्य है।

1. आपदा प्रबंधन ;केवल कक्षा–10 के आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम से संबंधित

– सुनामी
– सुरक्षित निर्माण कार्य
– जीवन रक्षक कौशल

-आपदा के दौरान वैकल्पिक संचार व्यवस्था उत्तरदायित्व को साझा करना

अथवा

2. लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन

अथवा

3. मुद्रा और साख

परियोजना को सावधाानीपूर्वक तैयार किया गया हैः

1.विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के लिए

2. चयनित विषय के सभी पक्षों को समझने और सहसंबध स्थापित करने में विद्यार्थी समर्थ होंगे।

3. सिद्धांत को प्रयोग से जोड़ना

4. जीवन के विविध संदर्भों के साथ संबंध

5. हस्त अभ्यास करना

परियोजना कार्य से संबंधित विभिन्न चीजों में अंक विभाजन निम्नलिखित प्रकार से हैः–

संदर्भ	अंक
1. विषय की सटीकता तथा मौलिकता –	1
2. प्रस्तुतीकरण तथा सृजनशीलता –	1
3. परियोजना को पूर्ण करने की प्रक्रिया पहल, सहयोग, भागीदारी, समयनिष्ठता	1
4. विषय स्वांगीकरण के लिए मौखिक – अथवा लिखित	2

विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर तैयार किए गए परियोजना कार्य को आपस में साझा किया जायेगा। इसके लिए वे संवाद सत्र, प्रदर्शनी, पैनल चर्चा इत्यादि का आयोजन कर सकते हैं। इस गतिविधि के अंतर्गत मूल्यांकन से संबंधित सभी कागजात संबंध विद्यालय के द्वारा सूक्ष्मतापूर्वक संभाल कर रखा जाएगा। परियोजना कार्य का संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार किया जाना चाहिए जिसमें निम्नलिखित मुख्य बातों का उल्लेख होना चाहिएः-

- व्यक्तिगत अथवा सामूहिक अन्तर्क्रिया का उद्देश्य
- क्रियाकलाप की तारीख
- इस प्रक्रिया में उत्पन्न नये विचार
- मौखिक अभिव्यक्ति में पूछे गए प्रश्न

सभी शिक्षक और विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखेंगे कि परियोजना कार्य अथवा मॉडल बनाने में पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का इस्तेमाल हो तथा उसका लागत मूल्य कम से कम हो। परियोजना रिर्पोट बच्चों विद्यार्थियों द्वारा हस्त लिखित होना चाहिए जो 15 पृष्ठों से अधिक नहीं हों। परियोजना से संबंधित रिकॉर्ड परीक्षा परिणाम की तिथि से कम से कम तीन महीने तक रखा जाएगा ताकि बोर्ड इसकी जाँच कर सके। हालांकि न्यायिक विचाराधीन अथवा सूचना के अधिकार अधिनियम से जुड़े हुए मामलों में यह रिकॉर्ड तीन महीनों से भी अधिक समय तक संभाल कर रखा जा सकता ळें

मानचित्र प्रश्न से संबंधित विषय–वस्तु

1 इतिहास – भारत का राजनीतिक रेखा मानचित्र

अध्याय–3: भारत में राष्ट्रवाद –

;1918–1930 केवल पहचानने और चिन्हित करने के लिए

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन

कलकत्ता (सितम्बर 1920) नागपुर (दिसम्बर 1920) लाहौर (1929), **मद्रास** (1927)

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के महत्वपूर्ण केन्द्रः ;

असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन, चम्पारन ;बिहार – नील किसानों का आंदोलन खेड़ा ;गुजरात – किसान सत्याग्रह, अहमदाबाद ;गुजरात – सूती वस्त्र मिल मजदूरों का सत्याग्रह अमृतसर (पंजाब) – जलियाँवाला बाग हत्याकांड चौरी–चौरा (उत्तर–प्रदेश) असहयोग आंदोलन को समाप्त करना। डांडी (गुजरात) – सविनय अवज्ञा आंदोलन

2 भूगोल- भारत का राजनीतिक रेखा मानचित्र

अध्याय–1: संसाधन और विकास (केवल पहचानना)

मृदा के मुख्य प्रकार

अध्याय–3: जल संसाधन (ढूंढना और चिन्हित करना)

बांध : सलाल, भाखड़ा नांगल, टिहरी, राणा प्रताप सागर, सरदार सरोवर, हीराकुंड, नागार्जुन सागर, तुंगभद्रा ;नदियों के साथ

अध्याय–4: कृषि (केवल पहचानना)

1 चावल और गेहूँ के मुख्य उत्पादक क्षेत्र।

२ मुख्य उत्पादक राज्य : गन्ना, चाय, कॉफी, रबर, कपास और पटसन।

अध्याय–5: खनिज और ऊर्जा संसाधन

क)खनिज ;(केवल पहचानना)

1 **लौह अयस्क खाने** : मयूरभंज, दुर्ग, बेलाडिला, बेलारी, कुद्रेमुख

२ **अभ्रक निक्षेप व खान:** छोटा नागपुर पठार, कोडरमा, गया, हजारीबाग क्षेत्रा, झारखंड, अजमेर, नेल्लोर, अभ्रक क्षेत्रा।

३ **कोयले की खानें** : रानीगंज, झरिया, बोकारो, तलचर, कोरबा, सिंगरौली, सिंगरैनी, नेवेली।

४ **तेल क्षेत्र:** डिगबोई, नहरकटिया, मुंबई हाई, बसीन, कलोल, अंकलेश्वर।

५ **बॉक्साइड निक्षेप** : अमरकंटक पठार, मैकाल हिल, बिलासापुर – कटनी पठरी क्षेत्रा, पंचपतमाली निक्षेप ;उड़ीसा

ख) **ऊर्जा केन्द्र (**ढूँढना और चिन्हित करना)

१ **तापीय केन्द्र** : नामरूप, तलचर, सिंगरौली, हरदुआगंज, कोरबा, उरण, रामागुडम, विजयवाड़ा, तूतीकोरिन।

२ **आणविक केन्द्र** : नरोरा, रावतभाटा, काकरापारा, तारापुर, कैगा, कलपक्कम।

अध्याय–6: विनिर्माण उद्योग (केवला ढूँढना और चिन्हित करना)

;1 **सूती वस्त्रा उद्योग** : मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, सूरत, कानपुर, कोयंबटूर, मदुरई।

;2 **लोहा और इस्पात संयंत्रा:** बर्नपुर, दुर्गापुर, बोकारो, जमशेदपुर, राउरकेला, भिलाई, विजयनगर, भद्रावती, विशाखापटनम्, सेलम।

;3 **सॉफ्रटवेयर टेक्नोलॉजी पार्क** : मोहाली, नोएडा, जयपुर, गाँधिनगर, इंदौर, मुंबई, पुणे, कोलकाता, भुवनेश्वर, विशाखापटनम्, हैदराबाद, बंगलौर, मैसूर, चेन्नई, तिरूवनंतपुरम।

अध्याय–7: राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ (केवल पहचान करना)

स्वर्णिम चतुर्भुज, उत्तर–दक्षिण गलियारा, पूरब–पश्चिम गलियारा

राष्ट्रीय राजमार्ग : एन. एच–1, एन. एच–2, एन. एच–7 (ढूँढना और चिन्हित करना।)

मुख्य पतन : कांडला, मुंबई, जवाहरलाल नेहरू, मार्मागाओं, नयू मंगलौर, कोच्चि, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापट्नम् पाराद्वीप, हल्दिया, कोलकाता।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई पतन :अमृतसर (राजा सांसी), दिल्ली (इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय), मुंबई (छत्रापति शिवाजी), तिरूवनंतपुरम (नेदिंबाचेरी), चेन्नई(मीनाम्बकम), कोलकाता (नेताजी सुभाषचंद्र बोस), हैदराबाद (राजीव गाँधी)

(नोटः ढूँढने और चिन्हित करने वाले स्थान, पहचान करने के लिए भी पूछा जा सकता है।)